

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया में "अपोर्च्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज इन स्पॉसोर्ड रिसर्च" विषय पर कार्यशाला आयोजित"**  
**मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च और व्यावसायीकरण- संकाय सदस्यों के लिए सफलता की कुंजी**

संकाय सदस्यों के लिए बहु-विषयक अनुसंधान और व्यावसायीकरण सफलता की कुंजी है- यह थीम, फैकल्टी इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) द्वारा अपने 130+ संकाय सदस्यों के लिए 9 जनवरी 2023 को आयोजित "अपोर्च्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज इन स्पॉसोर्ड रिसर्च" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला से लिया गया है। कार्यशाला का उद्देश्य उन्हें शिक्षण के साथ-साथ रिसर्च और नवाचार की ओर प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला का उद्घाटन जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने किया, जिन्होंने फैकल्टी सदस्यों को प्रायोजित रिसर्च परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया और विश्वविद्यालय के समग्र विकास पर इसके सकारात्मक प्रभाव, हितधारकों के बीच इसकी धारणा और इसके फास्ट ट्रैक कैरियर पदोन्नति के अवसरों पर बात की।

प्रो. मिनी एस. थॉमस, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जेएमआई के डीन ने कार्यशाला के उद्देश्यों से शुरुआत की और इस बात पर जोर दिया कि फैकल्टी सदस्यों को संभावित फंडिंग एजेंसियों को अधिक शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करने चाहिए और अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ संकाय के और स्वयं के व्यक्तिगत विकास के लिए भी कोशिश करनी चाहिए।

कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि प्रो. के.के. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, एनबीए ने दोहराया कि निरंतर ज्ञान उन्नयन के लिए अनुसंधान अपरिहार्य है और 'रिसर्च एटिट्युड' फंडिंग के बजाय एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

सरकारी वित्त पोषण एजेंसियों के गणमान्य व्यक्तियों, डीएसटी से डॉ. प्रतिष्ठा पांडे, एमईआईटीवाई से डॉ. सुनीता वर्मा, डीआरडीओ से डॉ. एस.के. द्विवेदी, और एमएनआरई से डॉ. अनिल कुमार ने विभिन्न योजनाओं और महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की, जहां परियोजना प्रस्तावों द्वारा व्यक्तियों और संकाय सदस्यों के समूह के साथ-साथ संस्थानों को वित्त पोषण के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने एक अच्छे परियोजना प्रस्ताव की विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला, जिससे संभावित फंडिंग प्राप्त हो सकती है।

प्रो. राम गोपाल राव, पूर्व निदेशक, आईआईटी दिल्ली, ने अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए जामिया की क्षमता की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान को नवीन विचारों के व्यावसायीकरण की ओर ले जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे जेएमआई जैसे विश्वविद्यालयों से अधिक स्टार्टअप उभर सकते हैं। उन्होंने विफलता के डर के प्रति आगाह किया और उनका विचार था कि स्पष्ट रूप से परिभाषित उद्देश्यों और डिलिवरेबल्स के साथ केवल अधिक प्रस्ताव प्रस्तुत करने से उच्च सफलता दर प्राप्त हो सकती है और अनुसंधान के लिए अधिक फंड मिल सकता है।

प्रो. जीशान एच. खान द्वारा समन्वित कार्यशाला के पैनल सत्र में पैनलिस्ट प्रो. राम गोपाल राव, प्रो. मिनी एस. थॉमस, प्रो. जाहिद अशरफ, प्रो. मुकेश रंजन के साथ जिज्ञासु संकाय सदस्यों के बीच उत्साहजनक चर्चा हुई।

कार्यशाला इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया की प्रायोजित अनुसंधान समन्वय समिति के समन्वयक प्रोफेसर इकबाल अली द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया